

विचार बिन्दु

अगर तुम गलतियों को रोकोगे, तो भी सत्य बाहर आ जायेगा। –टैगोर

भारतीय अर्थव्यवस्था परवान चढ़ती हुई या मरी हुई!

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक विवादस्पद टिप्पणी की जिसमें उन्होंने कहा कि “भारतीय अर्थव्यवस्था मरी हुई है”। विपक्ष के नेता ने मरी हुई अर्थव्यवस्था का शब्द अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान से लिया था जिसमें भारत और रूस के बीच चरित्र संबंधों को लेकर तीखा हमला बोला गया था और कहा गया था कि भारत और रूस दोनों देश मिलकर अपनी “मृत अर्थव्यवस्थाओं” को गत में ले जा रहे हैं। राहुल गांधी का ट्रम्प की टिप्पणी को समर्थन करता यह कथन न केवल राजनीतिक दृष्टि से तीखा था, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अनेक बहसों को जन्म देने वाला साबित हुआ। यहां यह सवाल भी स्वाभाविक रूप से उठा कि क्या विपक्ष के नेता का यह बयान एक राजनीतिक अतिशयोक्ति है या इसके पीछे ठोस तथ्य और आंकड़े भी मौजूद हैं? बेहतर होता विपक्ष के नेता अपने कथन को साबित करने वाले तथ्य भी साथ में देते। मीडियाकर्मियों ने भी उनसे उसी प्रकार कोई उलट सवाल नहीं किया जिस प्रकार के सवाल नहीं करने के आरोप प्रधानमंत्री समर्थक मीडिया पर उठते आए हैं। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि मोदी सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी कर रही है, जबकि आम जनता की स्थिति दिन–ब–दिन बदतर होती जा रही है। हालांकि राहुल गांधी अक्सर सरकार की आर्थिक नीतियों पर प्रश्न उठाते रहे हैं, लेकिन उनका देश की अर्थव्यवस्था को “मरी हुई अर्थव्यवस्था” कहना एक गंभीर आरोप है, जिसका अर्थ यह है कि अर्थव्यवस्था न केवल संकट में है बल्कि उसमें सुधार की गुंजाइश भी नागण है। राजनीतिक दृष्टि से यह बयान उस राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है जिसमें एक ऐसा प्रहार है जो जनता को सोचने पर मजबूर करे कि ‘अमृतकाल’ और ‘5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनॉमी’ की बातें ज़मीनी हकीकत से कितनी मेल खाती हैं। सोशल मीडिया पर राहुल गांधी के इस बयान को लेकर दो प्रकार की अपेक्षित प्रतिक्रियाएं आई हैं। एक वर्ग ने उन्हें ‘नकारात्मक मानसिकता’ वाला कहा, तो दूसरे ने कहा कि “कम से कम कोई तो ज़मीन की बात कर रहा है।” लेकिन यह भी दिलचस्प है कि राहुल गांधी की पार्टी के ही दो वरिष्ठ नेताओं शशि थरूर और राजीव शुक्ला ने बयान दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

सरकारी दृष्टिकोण से देखा जाए तो भारत एक मजबूत और संभावनाओं से भरी अर्थव्यवस्था है, जो वैश्विक आर्थिक मंदी के बीच भी स्थिरता बनाए हुए है। सरकार के समर्थकों का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था “मृत अर्थव्यवस्था” होने से कोसों दूर है। वास्तव में, यह अपनी गतिशील और अपनी विविधता वाली संरचना के साथ, विश्व स्तर पर सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। वे मजबूत विकास दर के आकड़ों का हवाला देते हैं। जैसे वित्त वर्ष 23/24 में भारत की जीडीपी में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ते वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गई। इसका श्रेय सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश, रियल एस्टेट में घरेलू निवेश तथा साथ में 9.9 प्रतिशत की तेज वृद्धि से बढ़ते विनिर्माण क्षेत्र को दिया जाता है। वित्त वर्ष 2026 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.4 से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने इसके 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया है। भारत वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के हिसाब से पांचवी सबसे बड़ी और क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के हिसाब से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 2025 में 3.82 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। इसके 2025 में इसके जापान को पीछे छोड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है और 2027–2030 तक इसके तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है।

आर्थिक विकास को गति देने वाले प्रमुख क्षेत्र में सेवा क्षेत्र सबसे बड़ा है जो सकल घरेलू उत्पाद में 60 प्रतिशत का योगदान देता है। इसमें आईटी, वित्त और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग प्रमुख है। भारत के आईटी–बीपीएम क्षेत्र का 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत योगदान होने का अनुमान है,

एक वर्ग ने उन्हें ‘नकारात्मक मानसिकता’ वाला कहा, तो दूसरे ने कहा कि “कम से कम कोई तो ज़मीन की बात कर रहा है।” लेकिन यह भी दिलचस्प है कि राहुल गांधी की पार्टी के ही दो वरिष्ठ नेताओं शशि थरूर और राजीव शुक्ला ने बयान दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

क्षमता जोड़ रहा है। मगर जहां जीडीपी वृद्धि दर ऊंची है, वहीं कुछ बिंदु राहुल गांधी के बयान को जरूर प्रासंगिक बना सकते हैं जैसे बेरोजगारी की स्थिति। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। युवाओं में बेरोजगारी की दर तो और भी अधिक है, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में। स्नातकों और शिक्षित युवाओं के लिए अवसरों की कमी एक गहरा संकट है। जीडीपी बढ़ती है, लेकिन रोजगार क्यों नहीं बढ़ते – यह प्रश्न बेहद गंभीर है। इसी प्रकार भले ही सरकार कहे कि प्रमुख रोज़गारी नियंत्रण में है, लेकिन आम जनता के लिए रसोई गैस, पेट्रोल, खाद्य वस्तुएं, दवाइयां और शिक्षा जैसी बुनियादी चीजों पर खर्च भारी पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में लोगों को सुहावने आर्थिक आंकड़े खोखले लगने लगते हैं और विपक्ष के नेता की अतिशयोक्ति वाली टिप्पणी बहुतां को भाने लगती है।

उधर ऑक्सफ़ाम की रिपोर्ट भारत में आर्थिक असमानता की बात करती है। वह कहती है कि कुल राष्ट्रीय संपत्ति का बड़ा हिस्सा कुछ प्रतिशत अमीरों के पास केंद्रित है। यदि आर्थिक विकास केवल कुछ लोगों को ही समृद्ध बनाए और बाक़ी देश हाशिये पर रहे, तो उसे ‘मृतप्रायः’ कहना बहुतां को अतिशयोक्ति नहीं लगता। अनेक अर्थशास्त्री भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि भारत में विकास हो रहा है, लेकिन वह असंतुलित है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोश तथा विश्व बैंक जैसी एजेंसियां भारत को विकास दर को सराहते हुए भी बार–बार इस पर ज़ोर देती हैं कि सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश आवश्यक है ताकि देश की आबादी में आर्थिक असमानता कम हो सके।

यह जरूर है कि राहुल गांधी का “मरी हुई अर्थव्यवस्था” वाला बयान भापाई दृष्टि से अत्यंत आक्रामक है। इसमें अतिशयोक्ति अवश्य है क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था मरी हुई तो कतई नहीं है – वह गतिमान है, बढ़ रही है, और कुछ क्षेत्रों में तेजी से भी बढ़ रही है। लेकिन यह भी सच है कि देश की बड़ी आबादी उस विकास को महसूस नहीं कर पा रही है। राहुल गांधी का बयान उसी भावना की उजागर करता है जिसे लाखों लोग रोज़ अनुभव करते हैं: नौकरी नहीं मिल रही, छोटा व्यापार नहीं चल रहा, महंगाई बढ़ रही है। राहुल गांधी का यह बयान राजनीतिक रूप से भले ही उतेजक हो, लेकिन वे इस चौकाने वाली टिप्पणी से उस गहरी वास्तविकता की ओर इशारा करते हैं जिसमें भारत में आर्थिक विकास और आम आदमी के अनुभव के बीच एक बड़ी खाई है। भारत की अर्थव्यवस्था तकनीकी रूप से जीवंत है, लेकिन जब वह करोड़ों लोगों को न्यूनतम गरिमा का भाव और अवसर नहीं दे पाए, तो उसके ‘जीवंत’ होने पर सवाल उठना स्वाभाविक ही है। सच्चाई शायद राहुल गांधी के शब्दों और सरकारी आंकड़ों के बीच कहीं है। भारत को केवल विकास नहीं, समावेशी और न्यायपूर्ण विकास की आवश्यकता है। जब तक आम जनता को आर्थिक सुरक्षा और अवसर नहीं मिलते, तब तक जीडीपी के आंकड़े सिर्फ़ कागजी विकास लगेगे – ज़मीनी सच्चाई नहीं। इसलिए यदि भारत को वास्तव में ‘विकासशील’ से ‘विकसित’ राष्ट्र बनाना है, तो उसे सिर्फ़ जीडीपी वृद्धि पर ही पर्याप्त नहीं, बल्कि समावेशी विकास, रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। सिर्फ़ पूंजी निवेश और निजीकरण से समस्याएं नहीं सुलझेंगी। इसके लिए सबसे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को निजी क्षेत्र में धकेलने की अंधी दौड़ से बचना होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य की सुदृढ़ सार्वजनिक सेवाओं की गिरावट के दौर में सरकार को ऐसे उलाहने झेलने पड़ेंगे। देश की अर्थव्यवस्था आमजन को तभी जीवंत लग सकती है जब उनकी भी उसमें बाबरी की भागीदारी हो। इसके लिए सारी प्रकार की सार्वजनिक सेवाओं को सुधराना होगा जो वर्तमान में अंकट भ्रष्टाचार के दलदल में धंसी हुई हैं। कार्यपालिका लोकतंत्र का प्रमुख स्तम्भ है। वही लोकनीतियों का ज़मीनी स्तर पर क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार है। कार्यपालिका विधायिका के प्रति जवाबदेह है। मगर विधायिका सिर्फ़ संसदीय सत्ता की प्रतिस्पर्धी राजनीति में सिमट कर रह गई है और सारे राजनेता एक–दूसरे को नीचा दिखाते और छिल्ली उड़ाने के खेल में लगे हैं। राजनेता भी भ्रष्टाचार की कालिख से अछूते नहीं रहे हैं। राजनेताओं को देश की समस्याओं और गरीबी का कुछ भान भी है ऐसा लगता ही नहीं। अर्थव्यवस्था भले ही जीवंत और लचीली है और उसमें विकास की मजबूत संभावनाएं हैं मगर प्रशासनिक तंत्र तथा राजनीतिक व्यवस्थाएं लोगों को उसे महसूस नहीं होने देती। जब कोई राजनेता “मृत अर्थव्यवस्था” जैसा आरोप लगाता है, जो भले ही साक्ष्य समर्थित नहीं हो, तब भी वह झंझोड़ कर जगाने वाला जरूर होता है जिसे बहुत से लोग देश के लिए अपमानजनक मान लेते हैं।

–अतिथि संपादक, राजेन्द्र बोड़ा (वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)



अशोक कुमार

एक ओर हम डिजिटल युग की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं और विश्व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कदम रख चुका है, वहीं हमारे सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। देश के हजारों जर्जर स्कूल के कारण बच्चों की जान पर खतरा मंडरा रहा है! हजारों स्कूल बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। कहीं भवन जर्जर हैं तो कहीं बिजली, फनीचर और शौचालय की सुविधा नहीं है।

राजस्थान के झालावाड़ जिले में हाल ही मे एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढहने से सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का कौन जिम्मेदार है?

Unified District Information System for Education (UDISE) के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में केवल 57.2% सरकारी स्कूलों में ही कंप्यूटर उपलब्ध है और सिर्फ 53.9% स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन है। हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, 90% से अधिक स्कूलों में बिजली और शौचालय की

सुविधाएं हैं, लेकिन सिर्फ 52.3% स्कूलों में दिव्यांग बच्चों के लिए रैंप की व्यवस्था है। कम होता नामांकन और बढ़ता ड्रॉपआउट रेट।

सरकारी स्कूलों में छात्रों के नामांकन में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। 2023–24 में, सरकारी स्कूलों में कुल छात्रों की संख्या में 3.7 लाख की कमी आई है। जहां देश की आबादी और गरीबी दोनों बढ़ रही हैं, लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने से कतराने लगे हैं। योग्य और पर्याप्त शिक्षक नहीं।

सरकारी स्कूलों में शिक्षक तो हैं, लेकिन उनकी योग्यता और संख्या पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कई स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, जो शिक्षक हैं उनमें से बड़ी संख्या में उनकी शैक्षणिक योग्यता मानकों पर खरी नहीं उतरती। परिणामस्वरूप, छात्रों की पढ़ाई और प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

नई शिक्षा नीति 2020 के बावजूद गिरावट

नई शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) का उद्देश्य शिक्षा के स्तर में सुधार करना था। लेकिन, इसके बावजूद सरकारी स्कूलों के आंकड़े और गिरावट की ओर इशारा कर रहे हैं। कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी डिजिटल सुविधाएं अधिकांश स्कूलों में उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों के नामांकन और ड्रॉपआउट दर में गिरावट ने नीति के उद्देश्यों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या सरकारी शिक्षा विभाग सिर्फ एक एजेंसी बनकर रह जाएगा?

अगर सरकारी स्कूलों की यह स्थिति जारी रही, तो आने वाले वर्षों में शिक्षा विभाग केवल एक परीक्षा

का जमीनी स्तर पर बदलने में क्रांति! आपगी और आम आदमी के बच्चों को आत्मविश्वास और अन्य अवसर मिलेंगे। अदालत ने प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्तियों में राजनीतिक कारणों से रिक्तियों को बनाए रखने और अक्षम व्यक्तियों को नियुक्त करने जैसे मुद्दों पर भी प्रकाश डाला, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हुई।

अदालत ने आदेश का उल्लंघन करने वालों के लिए दंडात्मक प्रावधानों का भी उल्लेख किया। यदि कोई बच्चा निजी स्कूल में भेजा जाता है, तो माता–पिता द्वारा उस बच्चे के लिए भुगतान की जा रही फीस के बराबर राशि उनके मासिक वेतन से काट ली जाएगी। इसके अतिरिक्त, ऐसे व्यक्ति को “वेतन वृद्धि, पदोन्नति के अवसर जैसे अन्य लाभों से भी वंचित किया जा सकता है”। एकत्रित राशि का उपयोग सरकारी स्कूलों के सुधार के लिए किया जाना था।

उपलब्ध जानकारी के आधार पर, सरकारी कर्मचारियों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने के लिए अनिवार्य करने वाला इलाहाबाद हाईकोर्ट का 2015 का फैसला प्रभावी ढंग से लागू नहीं हुआ।

यह फैसला, हालांकि लागू नहीं हुआ, सार्वजनिक शिक्षा की बिगड़ती स्थिति और अधिकारियों के ‘पाखंड’ इसके खिलाफ एक शक्तिशाली प्रतीकात्मक बयान के रूप में कार्य करता है। इस मुद्दे पर महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित करना जरूरी है! इससे मीडिया और सार्वजनिक विमर्श में सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, लोक सेवकों की जवाबदेही और शैक्षिक असमानता के बारे में एक तीखी बहस छेड़नी चाहिए। इस विशिष्ट

–अशोक कुमार,

पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखधुप विश्वविद्यालय, विभागगध्यक्ष

राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

उत्तर–पश्चिम रेलवे ने अस्तित्व में आने के बाद भारतीय रेलवे में अलग पहचान बनाई

अपनी स्थापना से 22 वर्षों के सफर में उत्तर-पश्चिम रेलवे आज देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक, औद्योगिक विकास में भागीदार बनकर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है



वेदप्रकाश

उत्तर–पश्चिम रेलवे 1 अक्टूबर, 2002 को अस्तित्व में आने के बाद आज भारतीय रेलवे में अलग पहचान बना चुका है। उत्तर–पश्चिम रेलवे के चारों मण्डल जयपुर, जोधपुर, अजमेर एवं बीकानेर पर्यटन, औद्योगिक, सामरिक एवं सामाजिक रूप से विशेष महत्व रखते हैं। अपनी स्थापना से 22 वर्षों के सफर में उत्तर–पश्चिम रेलवे आज देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक तथा औद्योगिक विकास में भागीदार बन कर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

उत्तर–पश्चिम रेलवे का क्षेत्राधिकार राजस्थान के प्रमुख पर्यटकों स्थलों के साथ सम्पर्क स्थापित करता है। रेलवे द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विरासत के साथ–साथ विकास को आधार बना कर कार्य किए जा रहे हैं। रेलवे पर्यटन स्थलों तक पहुँच के मामले में सबसे सुविधाजनक, रोमांचकारी और सुरक्षित साधन होने के साथ ही स्वयं भी पर्यटन का केन्द्र है। उत्तर–पश्चिम रेलवे द्वारा हैरिटेज संरक्षित करने और इसको आमजन तक पहुंचाने के लिए विशेष पहल की जा रही है। जिससे आमजन का केंद्र बन गया है और इसे अजमेर का नया दूरिस्ट पॉइंट भी कहा जा सकता है। रेल म्यूजियम में अजमेर मंडल सहित भारतीय रेल की महान ऐतिहासिक व समृद्धिविरासत से परिचय कराया गया है। रेल संग्रहालय परिसर में आकर्षण

मीटर गेज ही रखा गया है। इस खण्ड पर मारावड़ खामली घाट–मारावाड़ के बीच प्रदेश की पहली हैरिटेज ट्रेन वैली क्वीन संचालित की जा रही है।

इसका शुभारंभ प्रधानमंत्रा नरेंद्र मोदी द्वारा 05 अक्टूबर 2023 को हरी झंडी दिखाकर किया गया। वैली क्वीन हैरिटेज ट्रेन में एक वातानुकूलित चेयर कार एवं एक पॉवर कार कोच के साथ एक डीजल इंजन को भाप इंजन जैसा बनाया गया है। यात्रा में यात्रियों को हरी–भरी चाटियां,पेहाड़ियाँ, उलूभ वनस्पतियों और स्थानीय जीव जन्तुओं के मनमोहक दृश्य देखने को मिलते हैं। इस मार्ग में लगभग 100 साल पुरानी दो सुर्रंगें और जलधाराओं पर 172 पुल हैं।

ट्रेन के कोच में एनाउंसमेंट के साथ टोनी स्क्वीन भी लगाई गई है जिसमें पूरे मार्ग एवं गोरामघाट की वादियों के बारे में पर्यटकों को जानकारी दी जाती है। पूरे दिन की यात्रा में यात्रियों को प्राकृ तिक सौंदर्य एवं रोमांच का अनुभव प्राप्त होता है।

इसके अतिरिक्त अजमेर मंडल की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने व आमजन को भारतीय रेल की समृद्ध विरासत से परिचित करवाने के लिये अजमेर में रेलवे संग्रहालय स्थापित किया गया है। अजमेर मंडल की ऐतिहासिक विरासत को और संरक्षित करने व आमजन को भारतीय रेल की समृद्ध विरासत से रूबरू करवाने के लिए अजमेर में नसीराबाद रोड पर रेलवे संग्रहालय स्थापित किया गया है, जो लगभग 16000 वर्ग मीटर परिसर में फैला है।

नसीराबाद रोड, मार्टिण्डल ब्रिज समीप स्थित यह रेल संग्रहालय स्थानीय और अजमेर आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है और इसे अजमेर का नया दूरिस्ट पॉइंट भी कहा जा सकता है। रेल म्यूजियम में अजमेर मंडल सहित भारतीय रेल की महान ऐतिहासिक व समृद्धिविरासत से परिचय कराया गया है। रेल संग्रहालय परिसर में आकर्षण

रेलवे लाइन इस झील को लगभग 2 भागों में बांटती है। इस झील के मध्य से गुजरती रेल लाइन से मनमोहक नजारा दिखता है एवं यह पर्यटकों के मध्य म्यूजियम में 3 डी प्रभावों के साथ कैनवास पर बनाई गई सिनोग्राफी, साइनेज, सबसे पुराने भाप इंजन का मॉडल, राजस्थान के तीर्थ स्थानों के मार्ग, ‘रेलवे की प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग’ आदि पर आधारित इंटरैक्टिव मॉडल सहित अन्य ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं प्रदर्शित की गयी है।

पैलेस ऑन व्हील्स भारत की पहली लक्जरी पर्यटक ट्रेन है जिसे भारतीय रेलवे ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। यह ट्रेन दिल्ली से प्रारम्भ होकर जयपुर, रणथम्बोर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, भरतपुर होते हुए आगरा पहुंचती है।

प्रत्येक कोच का नाम पूर्व रियासतों के नाम पर अलवर, भरतपुर, बीकानेर, बूंदी, झालपुर, डूंगरगढ़, जैसलमेर, जयपुर, झालावाड़, जोधपुर, किशनगढ़, कोटा, सिराही और उदयपुर रखा गया है। ट्रेन में महाराजा और महारानी दो रेस्तरां बनाए गए हैं, जिनमें स्वादिष्ट राजस्थानी और कॉन्टिनेंटल व्यंजन परोसे जाते हैं।

अब बात करें रेल से दिखने वाली विश्व प्रसिद्ध सांभर झील को। राजस्थान में जयपुर के समीप स्थित सांभर में लवण जल (खारे पानी) की झील है। यह झील समुद्र तल से 1,200 फुट की ऊँचाई पर स्थित है। जब यह भरी रहती है तब इसका क्षेत्रफल 90 वर्ग मील रहता है। इसमें चार नदियाँ (रुपनगढ़, मेंथा, खारी, खंडेलार) आकर गिरती हैं। इस झील से बड़े पैमाने पर नमक का उत्पादन किया जाता है।

यह झील उत्तर–पश्चिम रेलवे के जयपुर एवं जोधपुर मण्डल को जोड़ने वाले प्रमुख रेल मार्ग जयपुर–फुलेरा–मेडता–जोधपुर के अंगरंग आती है।

जयपुर में स्थापित रेल कारखाना 1876 में प्रारम्भ किया गया था, यह भारत के प्रमुख कारखानों में से एक है। यह मीटरगेज डीजल लोको का सबसे बड़ा केंरिज

जनादेश के गैर–कार्यान्वयन ने सरकार को सार्वजनिक शिक्षा में सुधार के लिए वैकल्पिक रणनीतियों का पता लगाने के लिए प्रेरित होना चाहिए। सरकारी स्कूलों में खराब बुनियादी ढांचे, बुनियादी सुविधाओं की कमी, शिक्षकों की रिक्तियों और शिक्षण की गुणवत्ता के अंतर्निहित मुद्दे अभी भी बने हुए हैं, यह दर्शाता है कि जिन मुख्य समस्याओं को फैसले ने संबोधित करने की कोशिश की थी, वे इस विशिष्ट तंत्र के माध्यम से काफी हद तक अनसुलझी रही हैं।

2015 के फैसले को एक “ऐतिहासिक फैसला” के रूप में सराहा गया था, जिसका इरादा ‘सही’ था, फिर भी इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया। यह “अप्रवर्तित ऐतिहासिक” फैसलों की एक श्रेणी बनाता है – वे जो अपने कानूनी घोषणाओं और सामाजिक इरादों में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन कार्यान्वयन अंतराल के कारण ठोस परिवर्तन में विफल रहते हैं। यह न्यायिक घोषणाओं और वास्तविक शासन के बीच के अंतर को उजागर करता है। एक अदालत एक साहसिक आदेश जारी कर सकती है, लेकिन इसका वास्तविक दुनिया का प्रभाव राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक क्षमता और सामाजिक स्वीकृति पर निर्भर करता है। यह भी सुझाव देता है कि कुछ न्यायिक हस्तक्षेप, हालांकि कागजी पर शक्तिशाली होते हैं, जटिल सामाजिक–राजनीतिक वातावरण में बहुत महत्वाकांक्षी या लागू करने में मुश्किल हो सकते हैं।

–अशोक कुमार,

पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखधुप विश्वविद्यालय, विभागगध्यक्ष

राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर



पंडित अनिल शर्मा

शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 1:00 तक है। राजयोग दिन 1:00 से 2:09 तक है। आज प्रदीप व्रत, पवित्र बारस, विष्णु पवित्रा रोपण, दामोदर द्वासी, वैधुति पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:15 तक, शुभ 10:54 से 12:33 तक, चर 3:50 से 5:29 तक, लाभ 5:29 से सूर्यास्त तक। **राहूकाल:** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:57, सूर्यास्त 7:08

राशिफल

बुधवार 6 अगस्त, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2082, मूल नक्षत्र दिन 1:00 तक, वैधुति योग प्रातः 7:17 तक, बरलव करण दिन 2:09 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–धनु, मंगल–कन्या, बुध–कर्क, गुरु–मिथुन,

शुक्र–मिथुन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 1:00 तक है। राजयोग दिन 1:00 से 2:09 तक है। आज प्रदीप व्रत, पवित्र बारस, विष्णु पवित्रा रोपण, दामोदर द्वासी, वैधुति पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:15 तक, शुभ 10:54 से 12:33 तक, चर 3:50 से 5:29 तक, लाभ 5:29 से सूर्यास्त तक। **राहूकाल:** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:57, सूर्यास्त 7:08



मेघ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।



तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होगा।



वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।



धनु

घर–परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक मिलेगी। सम्पत्ति में आजादी का तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनासुर बनने लगेंगे।



मकर

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर–परिवार के कारण भागवौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।



कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा।



मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक प्रकरण में बहस जारी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ में मंगलवार को राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखा गया। वहीं अदालती समय पूरा होने पर अदालत ने मामले की सुनवाई बुधवार को रखी है। इससे पूर्व मामले में याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने अपना पक्ष रखा था। राज्य सरकार का कहना है कि भर्ती को अभी निरस्त नहीं करने का निर्णय लिया गया है।

18 महीनों की विकास यात्रा पर राज्यवर्धन राठौड़ का जताया आभार

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा कार्यालय में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने क्षेत्रवासियों से आत्मीय संबाद किया।पिछले 18 महीनों में झोटवाड़ा विधानसभा में आए बदलाव के लिए जनता ने कैबिनेट मंत्री का आधार जताया। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बड़े ही स्नेह और अपनेपन से झोटवाड़ा वासियों की बातें सुनीं। धाबासा से आए लोगों ने 2०0 फीट बायपास और अंडरापास बनने से सफर आसान होने की खुशी जताई और धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा पहले जहां घंटों ट्रैफिक में फंसा पड़ता था, अब मिनों में सफर हो जाता है।जनसंवाद के दौरान ग्राम पंचायतों और वार्डों से आए लोगों ने पानी, सड़क, स्ट्रीट लाइट और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अपनी बातें रखीं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने एक-एक बात ध्यान से सुनी और वहीं से अधिकारियों को फोन करके तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन ने जनता से संवाद करते हुए कहा कि जनता की सुविधा के लिए सड़क निर्माण, साफ पानी की आपूर्ति, अस्पताल और स्कूलों का विस्तार, और हर घर तक सुविधाएं पहुंचाना ही भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार का संकल्प है।

जामडोली में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ली

जयपुर। राजस्थान में राष्ट्रीय लोकदल का विस्तार लगातार तेजी पकड़ रहा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अन्गना के नेतृत्व में चल रहे सदस्यता अभियान के तहत जयपुर के जामडोली क्षेत्र में सैकड़ों युवाओं ने की सदस्यता ग्रहण की।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से युवा नेता सुर्जोत चौधरी और अजय फौजदार के नेतृत्व में दर्जनों युवाओं ने पार्टी से जुड़ने का निर्णय लिया। कार्यक्रम में भारी उत्साह और जोश देखने को मिला, जो यह दर्शाता है कि राज्य की युवा पीढ़ी राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा और नीतियों से प्रभावित हो रही है।

इस मौके पर जोगिंदर सिंह अन्गना ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल जल्द ही प्रदेश में एक मजबूत तीसरे मोर्चे के रूप में उभरेगा।

चौधरी चरण सिंह की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प हमारा लक्ष्य है। हम हर जिले

बजट घोषणाओं की शतप्रतिशत क्रियान्विति सुनिश्चित हो: पशुपालन मंत्री



मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में मंगलवार को टॉक रोड स्थित पशुधन भवन सभागार में पशुपालन विभाग के बजट घोषणा कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगले वित्तीय वर्ष में इस योजना के अंतर्गत पशुओं के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र और बीमा जारी करने का काम साथ साथ करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो।

बजट घोषणा में नवस्वीकृत/ क्रमोन्नत पशु चिकित्सा संस्थाओं के भवनों के लिए भूमि के पट्टों की

उपलब्धता की प्रगति की समीक्षा करते हुए कुमावत ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एक माह में समस्त नवस्वीकृत/ क्रमोन्नत पशु चिकित्सा संस्थाओं के लिए पट्टे उपलब्ध हो जाएं इस दिशा में अधिकारी काम करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए

अधिकारी अपनी पूरी उर्जा लगाएं और परिणाम लाकर दिखाएं। जब तक भवन निर्माण नहीं हो जाता तब तक किसी भी सरकारी भवन में नए पशु चिकित्सा और उपचिकित्सा केंद्रों को क्रियाशील करने के निर्देश कुमावत ने अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि व्यक्तिगत रूप से कलक्टर और एसडीएम से मिलकर इस कार्य में

हनीट्रैप में फंसाने की धमकी करने वाले पुलिस के हथ्थे चढे

जयपुर। शिरापथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक का अपहरण कर बंधक बनाकर आठ लाख रुपए की फिरोती मांगने के मामले में युवती सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि हनी ट्रैप गैंग का सरगना उत्तर प्रदेश में रेलवे कर्मचारी है। वहीं इस गिरोह ने तीन महीने पहले युवक को टारगेट कर विश्वास में लेकर फंसाया था और फिर दोस्ती कर युवती ने धोखे से मिलने बुलाकर साथियों के साथ मिलकर उसका अपहरण किया। हनीट्रैप में फंसाने की धमकी देकर मारपीट कर रुपयों की डिमांड की। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।फ। पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) राजेश राज ने बताया कि शिरापथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक का अपहरण कर बंधक बनाकर हनी ट्रेप मामले में फंसाने की धमकी देकर फिरोती मांगने के मामले में आरोपित युवती रीना मीणा उर्फ सुमन मीणा (2०) निवासी हिण्डौन सदर जिला करौली हाल शिरापथ, भरत लाल मीना (38) निवासी कुडगांव जिला

■ निरीक्षण के दौरान निगम अधिकारियों को सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए

महापौर कुसुम यादव ने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव आने वाला है। शहर के आग्ध्य देव गोविंद देव जी मंदिर में लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में हेरिटेज निगम प्रशासन को और से विशेष सफाई व्यवस्था की जाएगी। महापौर कुसुम यादव ने बताया कि निरीक्षण के दौरान निगम अधिकारियों को



महापौर कुसुम यादव ने मंगलवार को मंदिर गोविंद देव जी में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा जय निवास उद्यान में गार्डनिंग कार्य करने, लाइट व्यवस्था, सीवर लाइन जैसे कार्यों को समय पहले ही चक करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जयपुर शहर में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शोभायात्रा भी निकाली जाती है। ऐसे में अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे एक बार पूरे शोभायात्रा रूट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को पुखा कर लें। इस दौरान उद्यान शाखा समिति चेयरमैन पूनम शर्मा, निगम सतर्कता उपायुक्त पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा, उपायुक्त उद्यान मोनिका सोनी, हवामहल जोन उपायुक्त सीमा चौधरी, गैराज शाखा अधीक्षण अभियंता बलराम मीणा, लाइट शाखा अधीक्षण अभियंता रूपाराम, सहायक अभियंता दिलीप मीणा, उद्यान अधीक्षक छाज्जुम सहित अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा ईडी ने अपनी रिपोर्ट में बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेनदेन बता रही है। यह राशि बेटे की कंपनी ने लोन के तौर पर ली थी और उसे लौटाया भी जा चुका है। वहीं इस राशि को लेकर सिविल केस भी लंबित चल रही है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। गौरतलब है कि ईडी ने मार्च, 2०24 में महेश जोशी की समन जारी किया था। वहीं बीते दिनों ईडी ने जोशी को गिरफ्तार किया था। ईडी कोर्ट ने गत दिनों जोशी को जमानत देने से इनकार कर दिया था और उसके बाद ईडी ने जोशी, बेटे रोहित सहित डेढ़ दर्जन आरोपियों के खिलाफ ईडी कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया था। इस दौरान जोशी की पत्नी का निधन होने पर कोर्ट ने उन्हें दो बार अंतरिम जमानत का लाभ दिया था।

विवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म

जयपुर। कालवाड थाना इलाके में एक विवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि धोखे से बाइक पर बैठाकर देवर उसे अपने साथ ले गया। और फिर दोस्तों के साथ मिलकर विवाहिता से दरिंदगी की। मोबाइल में बताए अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता ने थाने में आरोपित देवर समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।पुलिस ने बताया कि हरमाड़ा की रहने वाली 24 वर्षीय महिला ने अपने देवर और उसके दो दोस्तों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कावाया है कि धोखे से उसका देवर बाइक पर बैठाकर उसे अपने साथ ले गया। वहां पहले से उसके दो दोस्त मौजूद थे। आरोपी देवर ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसके साथ दरिंदगी की। इस दौरान उन्होंने मोबाइल से अश्लील वीडियो बना लिए। तीनों आरोपियों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद बाद अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

महेश जोशी की जमानत याचिका पर बचाव पक्ष की बहस पूरी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े ईंडी प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका पर बचाव पक्ष की बहस पूरी हो गई है। अदालत ने ईंडी को अपना पक्ष रखने के लिए 6 अगस्त का समय दिया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। जमानत याचिका में अधिवक्ता स्नेहदीप ने अदालत को बताया कि प्रकरण में उसे फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया।

इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा ईंडी याचिकाकर्ता पर 2.०1 करोड़ रुपए का आरोप लगा रही है। जबकि इसे लेकर (पोस्टा के बीज) मिले। इन तीनों के पास कुल 1 किलो 77० ग्राम अफीम और 2 किलो 3०0 ग्राम डोडा पोस्ट जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।

पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य सभी लोगों की तलाश में जुट गई है। इस सफल कार्रवाई में ब्राह्म ब्रांच से पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथवात, उप निरीक्षक प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, महावीर सिंह, हेमन्त शर्मा, सनी जांगिड़, मोहन भूरिया, कांस्टेबल देवेन्द्र सिंह, गंगाराम, जितेन्द्र, गोपाल धाबाई, विजय सिंह, और चालक दिनेश शर्मा शामिल थे। इस ऑपरेशन की सफलता में कांस्टेबल सोहन देव व सत्येंद्र शर्मा का तकनीकी सहयोग सराहनीय रहा।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य अभियंता महेश जांगिड़ के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। अतिरिक्त मुख्य अभियंता महेश जांगिड़ अभी जयपुर में पोस्टेड है। कोटा एसीबी की टीम ने अप्रैल 2023 में निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता महेश जांगिड़ की कार से 8 लाख 1० हजार कैश बरामद किया था। जिसके बारे में महेश जांगिड़ संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए थे। यह रकम जलदाय विभाग में ठेकेदारों से कमीशन के रूप में ली गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटा एसीबी विजय स्वर्णकार ने बताया कि कार से जयपुर जाते समय बड़गांव के पास अतिरिक्त मुख्य अभियंता महेश जांगिड़ की तलाशी ली थी। कार से नगदी मिली थी।

सार-समाचार

आदर्श त्रिपाठी ने राष्ट्रपति मुर्मू को ‘जनता के राष्ट्रपति’ के रूप में वर्णित किया



जयपुर। जयपुर के छात्र आदर्श त्रिपाठी ने राष्ट्रपति मुर्मू को "जनता के राष्ट्रपति" के रूप में वर्णित किया और भारतीय राष्ट्रपति पद और देश की 15वीं राष्ट्रपति पर पुस्तक लिखी। इस पुस्तक "द पब्लिकस प्रेसिडेंट" के लॉन्च अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, "आजकल अधिकांश युवा स्टार्ट-अप और डिजिटल उद्यमों में शामिल हैं, ऐसे में एक युवक द्वारा लेखन का प्रयास करना और वह भी इतने जटिल विषय पर, वास्तव में एक अलग तरह का स्टार्ट-अप है। द्रोपदी मुर्मू का जीवन और उदाहरण आज के युवाओं के लिए एक उत्कृष्ट मॉडल और मार्गदर्शक है।" आदर्श त्रिपाठी, जो जयश्री परिवाल इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर के कक्षा 12 के छात्र हैं, ने अपनी पुस्तक में राष्ट्रपति मुर्मू की यात्रा को कैद किया है, जो ओडिशा के मधुपर्चंज जिले के एक दूरस्थ गांव से दुनिया के सबसे उच्चतम लोकतांत्रिक पद तक पहुंची है। त्रिपाठी ने बताया कि जब राष्ट्रपति मुर्मू चुनी गईं, तो उन्हें एहसास हुआ कि अधिकांश युवाओं को राष्ट्रपति की भूमिका के बारे में बहुत कम जानकारी है। उन्होंने इस संस्था को युवा पाठकों के लिए जीवंत बनाने के लिए पुस्तक लिखने का निर्णय लिया।

पाठ्य सामग्री का निशुल्क वितरण किया



जयपुर। व्यास सेवा संस्थान एवं उत्कर्ष संस्थान जयपुर द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हरनाथपुरा निवारू रोड जयपुर में अग्न्यनरत 31० छात्र-छात्राओं को उनके कोर्स के अनुरूप पाठ्य सामग्री यथा कॉपियां पेन पेंसिल रूल रबड़ आदि का निशुल्क वितरण किया गया सर्वप्रथम स्वर्गीय इंदु व्यास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया । कार्यक्रम में मंजू शर्मा पूर्व उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड बीना..., झोवाड़ा ब्लॉक ,मोनाक्षी शर्मा , विद्यालय के प्रधानाचार्य शक्ति सिंह आदि ने बच्चों को उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के वरिष्ठ सदस्य महेश शर्मा द्वारा किया गया कार्यक्रम में संस्थान के सचिव नरेंद्र व्यास ने संस्थान की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कमल किशोर शर्मा, श्याम लाल सैनी, जगदीश जी सैनी, सुरेंद्र पारीक ,मधु सहाय जोशी, इवेंट मैनेजर प्रवीण सिंह, बाबूलाल गुर्जर एवं विद्यालय परिवार के अध्यापक गण आदि ने भाग लिया। गायत्री परिवार के धर्म सिंह जी ने बच्चों को नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति पर विशेष रूप से उद्बोधन दिया ।कार्यक्रम में प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के अध्यक्ष कैलाश शर्मा (राष्ट्रदूत) द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया ।

का आरंभ किया गया । कार्यक्रम में मंजू शर्मा पूर्व उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड बीना..., झोवाड़ा ब्लॉक ,मोनाक्षी शर्मा , विद्यालय के प्रधानाचार्य शक्ति सिंह आदि ने बच्चों को उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के वरिष्ठ सदस्य महेश शर्मा द्वारा किया गया कार्यक्रम में संस्थान के सचिव नरेंद्र व्यास ने संस्थान की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कमल किशोर शर्मा, श्याम लाल सैनी, जगदीश जी सैनी, सुरेंद्र पारीक ,मधु सहाय जोशी, इवेंट मैनेजर प्रवीण सिंह, बाबूलाल गुर्जर एवं विद्यालय परिवार के अध्यापक गण आदि ने भाग लिया। गायत्री परिवार के धर्म सिंह जी ने बच्चों को नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति पर विशेष रूप से उद्बोधन दिया ।कार्यक्रम में प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के अध्यक्ष कैलाश शर्मा (राष्ट्रदूत) द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया ।

पेंशन ग्रेच्युटी सहित अन्य परिलाभ देने की मांग को लेकर धरना जारी

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों द्वारा पेंशन ग्रेच्युटी सहित अन्य परिलाभ देने की मांग को लेकर विश्वविद्यालय के लेखा एवं वित्त विभाग पर दिया जा रहा धरना आज सातवें दिन भी जारी रहा आज सुबह कालीचरण सराफ जी के निवास पर भी जाकर से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को पेंशन ग्रेच्युटी सहित अन्य परिलाभ देने एवं ठेकेदारी प्रथा के तहत कार्यरत कर्मचारियों को माह जून व जुलाई का वेतन, बढ़ा हुआ न्युनतम वेतन के परियर राशि का भुगतान करने के मांग का ज्ञान कालीचरण सराफ जी के निवास पर बैठे कर्मचारी को देकर धरना असतल पर आकर कुछ देर बैठने के बाद ही अचानक तबीयत खराब हो गई दु:ख की बात है कि वित्त विभाग के अधिकारी देखने तक नहीं आए। जानकारी मिलते ही डॉक्टर हरिशंकर शर्मा एवं डाक्टर सोमदेव जी आए। विश्वविद्यालय के हेल्थ सेंटर के डाक्टर श्याम मिलत जी जांच कर दवा दी चीफ प्रॉक्टर डॉ आर ,एन शर्मा जी ने भी आकर संभाला अब किशनलाल शर्मा की तबीयत में कुछ सुधार है। धरना जारी रहेगा

सड़क बनाकर मलबा उठाना भूला ठेकेदार, आमजन परेशान



जयपुर। विद्याधर नगर क्षेत्र में स्थित देहर का बालाजी रेलवे स्टेशन के सामने विवेकानंद कॉलोनी में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सीसी रोड बनवाकर आमजन को राहत प्रदान की। परन्तु यहाँ सड़क निर्माता ठेकेदार ने पुरानी सड़क को तोड़कर मलबा मौके की ही रोड किनारे फाल दिया, जो कि अब आमजन के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। जिसके कारण आये दिन कोई न कोई गिरकर चोटिल हो रहा है। इस मिटटी मलबे के ढेर में अब लोगों ने कूड़ा कचरा फेकना शुरू कर दिया है, जो कि इस बारिश के मौसम में दुर्गन्ध दे रहा है। स्थानीय निवासी अधिवक्ता सतीश भागीव ने बताया कि, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और पार्षद सुरेश सागवन ने विवेकानंद कॉलोनी में सीसी रोड बनवाकर लोगों को काफी राहत दी है। इसके लिए हम उनके आभारी हैं। परन्तु रोड बनाने वाले ठेकेदार की लापरवाही और जिम्मेदार अधिकारियों को अनदेखी के कारण यहां आज तक मलबा जमा हुआ है। इसके लिए हमने स्थानीय पार्षद सुरेश सागवन को भी शिकायत दी है।

करतारपुरा में सड़क में धंसा पानी का टैंकर



जयपुर। जयपुर ग्रेटर नगर निगम के वार्ड संख्या 144 की विजयनगर द्वितीय करतारपुरा के प्लाट संख्या बी-28 से बी-35 के सम्मन्धने बने पानी का टैंकर सड़क में काफी अंदर तक धंस गया। इसकी शिकायत जयपुर नगर निगम ग्रेटर, मालवीय नगर जोन के अधिकारियों को जरिए फोन, सम्पर्क पोर्टल (25०8203511) और जोन कार्यालय में जाकर करने के बावजूद शाम तक किसी अधिकारी ने सड़क या मौके की स्थिति नहीं देखी। सड़क की ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की जनहानि हो सकती है। कॉलोनी वासियों ने संबंधित मालवीय नगर जोन और नगर निगम ग्रेटर जयपुर के अधिकारियों को निवेदन किया है कि तुरंत सड़क को दुरुस्त करें ताकि स्थानीय निवासियों को दुर्घटना से बचाए जा सके।

जयपुर । जयपुर। पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी क्राइम ब्रांच) टीम से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर हनुमानगढ़ जिले की फेफाना थाना पुलिस ने तीन ड्रग तस्करी को गिरफ्तार किया है। यह तस्क़र मध्य प्रदेश और झालावाड़ के रहने वाले हैं। उनके पास से लाखों रुपये की 1 किलो 77० ग्राम अफीम और 2 किलो 3०0 ग्राम डोडा पोस्ट जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि टीम को एमपी से राजस्थान मादक पदार्थ तस्करी की सूचना मिली। सूचना की पुष्टि होने के बाद स्थानीय थाना पुलिस को अवगत कराया गया। जिनके द्वारा नाकाबंदी कर आरोपियों को मादक



पुलिस ने तीन ड्रग तस्करी को गिरफ्तार किया है।

पदार्थ सहित गिरफ्तार किया गया। मंगलवार की सुबह क्राइम ब्रांच की सूचना पर पुलिस ने हनुमानगढ़

के फेफाना कस्बे में नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान नोहर से फेफाना आ रही एक स्लीपर कोच बस से तीन

■ मध्य प्रदेश और झालावाड़ से जुड़े तार

लोग अचानक उतरकर भागने लगे। पुलिस को शक हुआ और उन्होंने तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उनकी पहचान गोविंद कुमार (31) निवासी पिडावा व दिलीप कुमार (35) निवासी पचपहाड़ जिला झालावाड़ और कालूराम (25) निवासी गरोट जिला मंदसौर मध्य प्रदेश के रूप में की गई।

पुलिस ने जब उनके बैग की तलाशी ली तो उन्हें बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ मिले। गोविंद कुमार के पास से 260 ग्राम अफीम और 2 किलो 3०0 ग्राम डोडा पोस्ट मिला। कालूराम के पास से 53० ग्राम अफीम और दिलीप कुमार के पास से 98० ग्राम अफीम और 45 ग्राम खसखस



Celebrating the World Beneath the Waves

International Scuba Day honours the adventurous spirit of scuba diving and the beauty of the underwater world. It brings together divers, ocean lovers, and conservationists to raise awareness about marine ecosystems and promote ocean protection. From exploring coral reefs to discovering historic shipwrecks, scuba diving opens a gateway to a fascinating underwater realm. This day also pays tribute to the pioneers of scuba diving and encourages responsible diving practices. Whether you're a seasoned diver or a curious beginner, International Scuba Day is the perfect time to dive in and celebrate our oceans' wonders.

#LIFE

MARIJUANA TO HELP GRANDMA, GRANDPA

Have you ever thought about giving your grandparent a little pain relief, along with that Hallmark card?



Medical marijuana may bring relief to older people who have symptoms like pain, sleep disorders or anxiety due to chronic conditions including amyotrophic lateral sclerosis, Parkinson's disease, neuropathy, spinal cord damage and multiple sclerosis, according to a preliminary study released that was presented at the American Academy of Neurology's 71st Annual Meeting in Philadelphia, May 4 to 10, 2019.

The study not only found that medical marijuana may be safe and effective; it also found that one-third of participants reduced their use of opioids.

However, the study was retrospective and relied on participants reporting whether they experienced symptom relief, so, it is possible that the placebo effect may have played a role. Additional randomized, placebo-controlled studies are needed.

According to the Centers for Disease Control and Prevention, approximately 80 per cent of older adults have at least one chronic health condition. "With legalization in many states, medical marijuana has become a popular treatment option among people with chronic diseases and disorders, yet there is limited research, especially in older people," said study author Laszlo Mechtler, MD, of Dent Neurologic Institute in Buffalo, N.Y., and a Fellow of the American Academy of Neurology. "Our findings are promising and can help fuel further research into medical marijuana as an additional option for this group of people who often have chronic conditions." The study involved 204 people with an

average age of 81 who were enrolled in New York State's Medical Marijuana Program.

Participants took various ratios of tetrahydrocannabinol (THC) to cannabidiol (CBD), the main active chemicals in medical marijuana, for an average of four months and had regular checkups. The medical marijuana was taken by mouth as a liquid extract in tincture, capsule or in an electronic vaporizer.

Initially, 34 per cent of participants had side effects from the medical marijuana. After an adjustment in dosage, only 21 per cent reported side effects. The most common side effects were sleepiness in 13 per cent of patients, balance problems in 7 per cent and gastrointestinal disturbances in 7 per cent. Three percent of the participants stopped taking the medical marijuana due to side effects. Researchers said that a ratio of one-to-one THC to CBD was the most common ratio among people who reported no side effects.

Researchers found that 69 per cent of participants experienced some symptom relief. Of those, the most common conditions that improved were pain with 49 per cent experiencing relief, sleep symptoms with 18 per cent experiencing relief, neuropathy improving in 15 per cent and anxiety improving in 10 per cent.

Opioid pain medication was reduced in 32 per cent of participants. "Our findings show that medical marijuana is well-tolerated in people, aged 75 and older, and may improve symptoms like chronic pain and anxiety," said Mechtler. "Future research should focus on symptoms like sleepiness and balance problems, as well as efficacy and optimal dosing."

Russia Is Looking The Other Way On Trump's Nuclear Move



Here's Trump's own explanation from his interview with Newsmax: "Medvedev said some things that are very bad, talking about nuclear. When you mention the word 'nuclear,' my eyes light up and I say we better be careful, because it's the ultimate threat." But Medvedev has long been accused of nuclear sabre-rattling via social media. It's nothing new. What is clear is that Trump took the recent Medvedev posts very personally, and reacted accordingly.



● Kshema Jatuhkarna

The unfolding events of the past year and the crescendo of the current crisis between U.S. and Russia have been widely interpreted as a classic case of coercive diplomacy.

Trump had been sparring with Medvedev on social media for several days. But could this be the first time in history a social media spat triggers nuclear escalation? President Donald Trump took offence to the posts by former Russian President Dmitry Medvedev, says he's ordered two nuclear submarines to move closer to Russia.

So, how will Moscow respond? Are we on a path to a nuclear standoff between America and Russia? An internet-age version of the 1962 Cuban Missile Crisis? We can doubt it, judging by initial reaction in Russia.



After dashing on social media, Kim Jong Un and Trump have met on several occasions.

Russian news outlets have been rather dismissive of Trump's announcement. The Moskovsky Komsomolets newspaper, a military commentator, concluded that Trump was "throwing a temper tantrum." A retired lieutenant-general told Kommersant that the US president's talk of submarines was "meaningless blather. It's how he gets his kicks."

"I'm sure Trump didn't really give any orders (about submarines)," a Russian security expert suggested to the same paper.

meanless blather. It's how he gets his kicks."

"I'm sure Trump didn't really give any orders (about submarines)," a Russian security expert suggested to the same paper. Kommersant also mentions that in 2017 too, Trump had said that he'd despatched two nuclear submarines to the Korean peninsula as a warning to North Korea.

Yet not long after, Trump held a meeting with North Korean leader Kim Jong Un. So, bizarrely, might Donald Trump's latest submarine deployment be a precursor to a US-Russia summit?

#SOCIAL MEDIA POLITICKING



Former Russian President Dmitry Medvedev has sparred with Donald Trump.

We can put that aside and shouldn't go that far. But the reaction from the Russian authorities has been interesting. At the time of writing this piece, there hasn't been any. Not from the Kremlin. Not from the Russian foreign ministry. Nor the defence ministry.

And we've seen no announcement about Russian nuclear submarines being positioned closer to America.

This suggests that either Moscow is still studying the situation and working out what to do, or that Moscow doesn't feel the need to react. The Russian press reaction, I mentioned earlier, suggests that it's the latter.

It would be thought that the recent deployment of a nuclear-powered warship by Russia to Cuba has reignited tensions between Russia and the United States, reminiscent of the Cold War era. The longstanding rivalry between

Russia and the United States has once again come to the forefront with the recent escalation of tensions in Cuba. Understanding the implications of this standoff is crucial not only for the parties directly involved but also for the broader international community, including India.

Historical Context

Cuba has been a focal point of geopolitical tensions since the Cuban Missile Crisis of 1962, when the world stood on the brink of nuclear war. The presence of Soviet missiles in Cuba prompted a tense standoff between the US and the USSR, ultimately leading to a diplomatic resolution but leaving a lasting impact on global politics. For instance, Cuba's military assistance to Angola in its fight against apartheid South Africa in the 1970s and 1980s showcased its influence beyond the Caribbean. More recent

When he was Russia's president, between 2008 and 2012, Medvedev was seen as a relatively liberal figure. "Freedom is better than no freedom," he was famously quoted as saying. But he has grown increasingly hawkish. Since Russia's full-scale invasion of Ukraine, he has gained a reputation for bombastic, anti-Western social media posts. Most of them have passed unnoticed, since he is not viewed as the voice of the Kremlin.

the automatic nuclear retaliation system developed in the Soviet Union. Clearly, that did not go down well with the White House chief.

When he was Russia's president, between 2008 and 2012, Medvedev was seen as a relatively liberal figure. "Freedom is better than no freedom," he was famously quoted as saying. But he has grown increasingly hawkish. Since Russia's full-scale invasion of Ukraine, he has gained a reputation for bombastic, anti-Western social media posts. Most of them have passed unnoticed, since he is not viewed as the voice of the Kremlin.



North Korean leader Kim Jong Un met President Vladimir Putin.

Suddenly, he has been noticed by the President of the United States. And not just noticed. He's got right under Trump's skin. It's one thing to dislike a social media post. We've all been there. But to dislike it so much that you deploy nuclear submarines feels like overkill.

So, why has Trump done it?

Here's Trump's own explanation from his interview with Newsmax: "Medvedev said some things that are very bad, talking about nuclear. When you mention the word 'nuclear,' my eyes light up and I say we better be careful, because it's the ultimate threat."

But Medvedev has long been accused of nuclear sabre-rattling via social media. It's nothing new. What is clear is that Trump took the recent Medvedev posts very personally, and reacted accordingly.

Might there also be a strategy at play? Unpredictability feels like a big part of Trump's way of doing things, in business and in politics, taking unexpected decisions that can put rivals and opponents off balance before talks or during a negotiation.

On ending the war in Ukraine, for example. Surprise submarine deployments may well fall into that category.

rajeshsharma1049@gmail.com

#CRIME

A Sensational Murder

The Bombay Carriage Murder of 1925: A Crime That Shook Colonial India and Toppled a King

On the evening of January 12, 1925, a horrifying attack took place in one of Bombay's most upscale neighbourhoods. A young couple travelling by car was brutally assaulted, the man was shot dead, and the woman's face was viciously slashed. This violent act did not just shock the city but sent ripples far beyond India's shores, drawing international attention and sparking one of the most sensational criminal investigations of British colonial India.

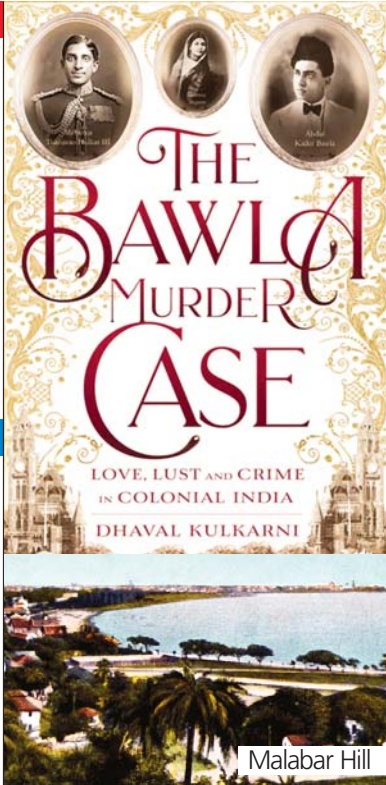


Abdul Kadir Bawla

The Victims: Abdul Kadir Bawla and Mumtaz

The slain man was Abdul Kadir Bawla, just 25 years old but already an influential figure in Bombay's thriving textile industry. More remarkably, Bawla was the city's youngest municipal official, a position that gave him both prestige and political sway in a colonial environment where Indians had limited power. His companion, Mumtaz

Begum, 22, was no ordinary woman. She was a courtesan, a performer and companion of high social status within certain circles, who had fled from the confines of a princely state's harem. She had been living under Bawla's protection for several months, which already made their association a matter of whispered scandal in conservative society.



Malabar Hill

A Crime That Captivated a Nation

News of the attack spread like wildfire. Newspapers and magazines described the case as 'perhaps, the most sensational crime committed in British India,' and it soon became 'the talk of the city'. The gruesome details and the high-profile nature of the victims caught the imagination

tion of a public hungry for stories of intrigue and drama amidst the backdrop of a colonial society struggling with its identity. What made the case even more compelling was the complexity of the investigation and the far-reaching consequences it would have on political and royal circles.



Mumtaz Begum



Tukojirao Shivajirao Holkar

A King's Abdication: The Fallout

The scandal shook the foundations of colonial rule in India. British authorities found themselves in a diplomatic dilemma, how to handle the involvement of a princely state's royal family in what was essentially a criminal conspiracy? Pressure mounted on the Indian king implicated in the plot, forcing him to abdicate his throne, a rare and dramatic outcome that underscored the gravity of the situation.

This incident not only spotlighted the brutal realities behind the glamorous facade of royal harems and elite business circles but also revealed the limits of British control and the complicated loyalties of the time.

The Investigation and Trial

The colonial police forces were under intense pressure to solve the crime quickly. The brutality of the attack, combined with the social standing of Bawla, meant the authorities had to tread carefully. Over the course of the investigation, it emerged that the murder was not a simple crime of passion or robbery, it was tangled with political intrigue, royal vendettas,

and power struggles. The trial became a courtroom drama that exposed many hidden truths about relationships between British authorities, Indian business elites, and princely states. It was revealed that Mumtaz Begum's flight from the harem and association with Bawla had upset powerful figures in the princely state's royal family, leading to a conspiracy to silence them.

Legacy of the Case

The 1925 Bombay carriage murder remains one of colonial India's most talked-about crimes. It highlighted the intersections of gender, power, politics, and colonialism, offering a snapshot of a society in transition. The story of Abdul Kadir Bawla and Mumtaz Begum continues to fascinate historians and serves as a poignant reminder of the many untold dramas that played out under the surface of India's struggle for independence.

THE WALL

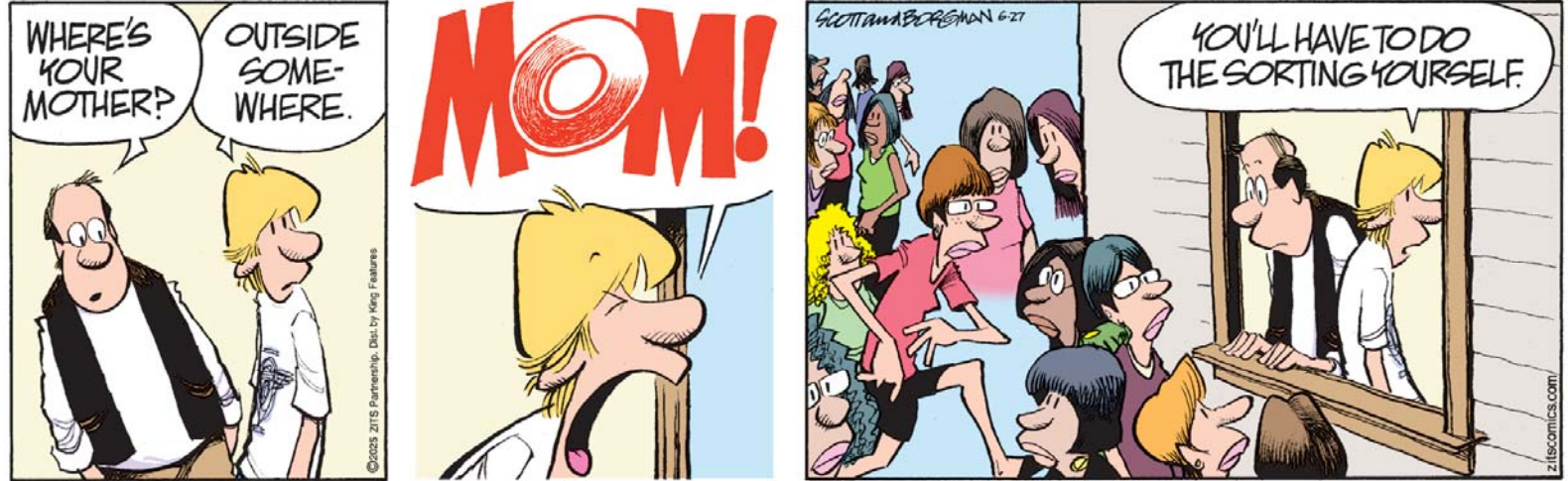


BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman



लोगों के करोड़ों रुपये लेकर भागे इनामी दो आरोपी सूरत से गिरफ्तार

आरोपियों ने वीआईपी ट्रेड कंपनी के जरिये लोगों को प्रलोभन देकर धोखाधड़ी की थी

मदनगंज-किशनगढ़, (निंस्)। गांधीनगर थाना पुलिस ने वीआईपी कंपनी के जरिये प्रलोभन देकर सैकड़ों लोगों के करोड़ों रुपये समेटकर फरारी काट रहे 25-25 हजार के इनामी दो आरोपियों को सूरत (गुजरात) से गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ गांधीनगर पुलिस थाना व मदनगंज पुलिस थाना में 31 प्रकरण सहित राज्य के भी बाहर भी मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की गिरफ्त में आये बदमाशों में गांव हरमाड़ा किशनगढ़ निवासी लोकेश चौधरी (26) पुत्र हरचंद जाट व मीरा मार्ग कुचामन निवासी धीरज गटानी (26) पुत्र मनोज माहेश्वरी है।



पुलिस ने लोगों से ठगी करने के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आकर जीवनभर की कमाई दाव पर लगा दी।

वीआरएफ एक्स सॉफ्टवेयर के जरिये ट्रेडिंग करने वाले आरोपी शुरूआती दौर में लोगों को करीब 8 से 12 प्रतिशत मुनाफा देने लग गये, जिसके चलते कई लोगों ने कम्पनी में मोटी रकम लगानी शुरू कर दी।

कम्पनी की वेबसाइट पर निवेशकों द्वारा निवेश किये रुपयों को डालर के रूप में प्रदर्शित कर दिया जाता और प्रत्येक निवेशक की आईडी बनाकर आईडी में निवेश व मुनाफा साफ तौर दिखाया जाता, लेनदेन केवल नगद होता था। सिक्क्योरिटी के तौर पर चैक व फर्जी जमीन का एग्रीमेंट कर दिया

करते थे, जिससे निवेशक अपने आपको सुरक्षित मानकर निवेश करने में आगे रहता, किंतु पिछले सात माह पूर्व संदेह होने पर लोगों ने तकाजा शुरू किया तो लोकेश चौधरी व अन्य आरोपी निवेशकों के करोड़ों रुपये हड़पकर फरार हो गये।

गांधीनगर थाना ईचार्ज संजय

■ दोनों के खिलाफ गांधीनगर व मदनगंज पुलिस थाना में 31 प्रकरण सहित राज्य के भी बाहर भी मुकदमे दर्ज हैं

शर्मा ने बताया कि आरोपियों के करीब 25 बैंक खातों को फ्रिज करने के लिये कार्यवाही शुरू कर दी है, सिक्क्योरिटी के तौर निवेशकों को बताई गई जमीन के बारे में भी पुछताछ की जायेगी। इससे पूर्व कंपनी के कैशियर बलवीर वेण्णव व नरेंद्र नामक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी व बड़स एक्ट के अंतर्गत दर्ज 31 मुकदमों को लेकर बारीकी से पड़ताल की जा रही है। पुलिस टीम में थाना ईचार्ज संजय शर्मा, हैड कां. राजुराम, गिराज प्रसाद, सुनील मील, कांस्टेबल रामनिवास, बीरबल, सुरेंद्र सिंह, सीताराम, राजेंद्र शामिल रहे।

स्मार्ट मीटर लगाने पर हंगामा

जैसलमेर, (निं.सं.)। जैसलमेर शहर में स्मार्ट मीटर लगाने आए बिजली विभाग के ठेकेदार के कर्मचारियों और लोगों के बीच झड़प हो गई। पुलिस समझने पहुंची तो उस पर पथराव किया। लोगों के विरोध को देखते हुए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। आरोप है कि विरोध के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बुजुर्ग महिला का सिर फोड़ डाला। इसके बाद मोहल्लेवासी भड़क गए और पुलिसकर्मियों से हाथापाई पर उतर आए। यहां तक कि एक कांस्टेबल को पकड़कर उसकी वर्दी फाड़ दी।

हमला कर युवक के दोनों पैर तोड़े

दोस्त महिला को भगा ले गया तो बदला लेने के लिए दूसरे दोस्त के दोनों पैर तोड़ दिये



घायल व्यक्ति को एमजी अस्पताल में भर्ती कराया।

भीलवाड़ा, (निंस्)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित शारदा चौराहा के पास देवनारायण सर्किल पर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। उसे घेरकर कुछ लोगों ने पाइप, टामी से मारा। इसके चलते उसके दोनों पैर टूट गए तो वहीं कमर और हाथ में भी चोटें लगीं है।

जानकारी के अनुसार वारदात सोमवार रात की है। कैलाश माली (40) पुत्र अर्जुन माली निवासी संजय कॉलोनी को खाना बनाने के नाम पर बुलाया गया। वह शारदा चौराहे पर पहुंचा तो वहां एक व्यक्ति उसे देवनारायण सर्किल के पास वाली गली में ले गया। उसे कहा कि मेरे भाई को बुला लेता हूं फिर पर चलते है।

कैलाश को कुछ संदिग्ध लगा तो वहां से जाने लगा। इस बीच कुछ लोग आए जिन्होंने उसे घेर लिया। पाइप, टामी से पीटना शुरू कर दिया। इतना बुरा मारा कि उसके दोनों पैर तोड़ दिए। सिर फोड़ दिया। कमर और हाथ में भी चोटें आई हैं। इसके बाद वे लोग भाग गए। पीड़ित ने बताया कि कुम्हारों के लड़के थे जिन्होंने उस पर हमला किया था। उस पर हमले की वजह पुरानी रंजिश नहीं थी। दरअसल उसका एक दोस्त किसी महिला को भगाकर ले गया। उससे नाराज होकर उन लोगों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। उसे देर रात एमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

महिला की हत्या करने वाला युवक गिरफ्तार

अजमेर, (निंस्)। कलाक टावर थाना इलाके में सोमवार की रात पति ने अपनी पत्नी को पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी और घटना के बाद वह फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश देने के बाद खटिक मोहल्ले से लक्ष्मण खटीक को गिरफ्तार कर लिया।

पहले परिजन ने पुलिस को बताया कि सीमा गुजराती की सीढ़ियों से गिरने से मौत हुई है, लेकिन पुलिस को मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से जांच करते हुए परिजन से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर पता चला कि लक्ष्मण खटीक व सीमा गुजराती करीब 6 साल से पति-पत्नी के रूप में साथ रह रहे थे। लक्ष्मण के भाई सुरेश द्वारा पुलिस में दी गई रिपोर्ट में बताया कि करीब 6 साल पहले सीमा के पति की मौत होने के बाद से ही सीमा लक्ष्मण के साथ रहने लगी और लक्ष्मण शराब पीने का आदी है, जिसके साथ आए दिन सीमा से मारपीट करता रहता था। घटना के पहले दोनों ने जम कर शराब का सेवन किया और विवाद होने पर गुस्से में पति ने पत्नी की हत्या कर दी।

तोषीणा गांव में अवैध शराब की फैक्टरी पर दबिश दी

जमीन के भीतर अवैध रूप से शराब निर्माण करने का पूरा सेटअप मिला



डीडवाना के तोषिणा गांव में आबकारी विभाग ने अवैध शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी।

डीडवाना, (निंस्)। डीडवाना जिले के तोषिणा गांव में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी है। इस कार्रवाई में आबकारी विभाग ने शराब बनाने के लिए 200 लीटर स्प्रिट और शराब सहित भारी मात्रा में शराब बनाने की सामग्री जैसे बार, कार्टन लेबल, खाली पन्ने, ढक्कन भी जब्त किए हैं।

आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी विभाग को सूचना मिली थी कि ग्राम तोषीणा में अवैध रूप से शराब का निर्माण किया जा रहा है। इस पर अजमेर जोन के अतिरिक्त आयुक्त राधेश्याम डेलु एवं आबकारी निरोधक दल के उपायुक्त विजय जोशी के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी नागीर दानाराम व नावां वृत के

■ अवैध शराब का जखीरा जमीन के अंदर छिपा रखा था

■ शराब बनाने के लिए 200 लीटर स्प्रिट व अवैध शराब जब्त की गई

आबकारी निरीक्षक मोहन सिंह निर्वाण के संयुक्त नेतृत्व में मंगलवार को ग्राम तोषिणा में हंसराज बावरी के रिहायशी मकान पर छापा मारा, जहां जमीन के भीतर अवैध रूप से शराब निर्माण करने का पूरा सेटअप मिला। इस दौरान आबकारी पुलिस ने जब मिट्टी हटाकर तलाशी ली तो जमीन के नीचे बंकर बना मिला। इसके बाद आबकारी कार्मिकों ने बंकर में जाकर देखा तो वहां स्प्रिट के

ड्रम, अवैध शराब बनाने की सामग्री, खाली पन्ने, पैकिंग करने की मशीन, तैयार की हुई शराब के कार्टन मौके पर पाए गए, जिन्हें जब्त कर लिया गया। वहीं मौके से एक आरोपी फरार हो गया।

इस मामले में आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आबकारी विभाग के मुताबिक अवैध शराब का यह गोरखधंधा काफी लंबे समय से संचालित था। विभाग को इस अवैध फैक्ट्री से कई अन्य लोगों के जुड़े होने की जानकारी मिली है, जिसकी सचनता से जांच की जा रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि अवैध शराब के निर्माण व विक्रय के इस मामले में अन्य कौन-कौन आरोपी शामिल है और इनका नेटवर्क कहां कहां सक्रिय है।

पावटा में अधिवक्ताओं, स्टाम्प विक्रेताओं की हड़ताल शुरू



पावटा उपखण्ड कार्यालय में अधिवक्ताओं और स्टाम्प विक्रेताओं ने धरना प्रदर्शन शुरू किया।

पावटा, (निंस्)। कस्बे में मंगलवार को उपखण्ड कार्यालय में अधिवक्ताओं और स्टाम्प विक्रेताओं द्वारा हड़ताल एवं अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया गया। कस्बे के पावटा उपखंड कार्यालय स्थित तहसील परिसर में सोमवार की शाम सभी अधिवक्ताओं, स्टाम्प विक्रेताओं, डीड राइटर्स और दुकानदारों ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपते हुए पुलिस थाना भाभरु का क्षेत्राधिकार पावटा से बदलकर विराटनगर न्यायालय के अधीन किए जाने का भारी विरोध जताया और मांग रखी कि इसे अगर जल्द से जल्द विराटनगर से हटाकर पावटा में नहीं जोड़ा गया तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पावटा अधिभाषक संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि पुलिस थाना भाभरु को मुंसिफ कोर्ट पावटा के अधीन जोड़ा गया था, जिसे निर्धारित मापदंडों के विरुद्ध पावटा कोर्ट से

■ पुलिस थाना भाभरु का क्षेत्राधिकार पावटा से बदलकर विराटनगर न्यायालय के अधीन किए जाने का विरोध

हटाकर 2 अगस्त 2025 से विराटनगर कोर्ट के अधीन कर दिया गया है, जो कि पूर्णतया गलत है। पुलिस थाना भाभरु के मुंसिफ कोर्ट पावटा से जुड़े रहने से पक्षकारान व पुलिस के समय व धन की बचत तो होगी ही साथ में फरियादियों को सस्ता व सुलभ न्याय उपलब्ध हो सकेगा, जिसे लेकर मंगलवार को अधिवक्तागणों, स्टाम्प विक्रेताओं, डीड राइटर्स और दुकानदारों ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपते हुए पुलिस थाना भाभरु को पुनः मुंसिफ कोर्ट पावटा के अधीन जुड़वाने की मांग की है।

एडवोकेट विष्णु कुमार शर्मा, सीताराम सैनी, दिलीप सिंह शेखावत, सुल्तान यादव ने बताया कि हड़ताल के कारण पावटा क्षेत्र में न्यायिक और पंजीयन कार्य पूरी तरह से ठप हो जाएगा। इससे क्षेत्र के लोगों को परेशानी हो सकती है। अधिवक्ताओं का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं, तब तक हड़ताल व धरना जारी रहेगा। इस दौरान पावटा अधिभाषक संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी, उपाध्यक्ष अनिल सिंह, सचिव सुरेंद्र सिंह, संयुक्त सचिव अनील, कोषाध्यक्ष मुकेश यादव, मीडिया प्रभारी निर्मल मोयं सहित एडवोकेट विष्णु शर्मा, दिलीप शेखावत, लोकेश शर्मा, कमलकांत शर्मा, गौरव, मुकेश स्वामी, नरेश यादव, बीएल आर्य, रतिराम मोणा, राजेंद्र चौधरी, किशोर यादव, मेहरसिंह चौधरी अधिवक्ताओं, अधिभाषक, स्टाम्प पेपर विक्रेता और दुकानदार मौजूद रहे।

डॉ. सतीश पूनियां ने मीरा महोत्सव में शिरकत की

मेड़ता सिटी, (निंस्)। मीरा नगरी मेड़ता सिटी में मीरा जयंती महोत्सव चरमोत्कर्ष पर है। भक्त शिरोमणि मीराबाई व भगवान श्रीचारभुजा नाथ मंदिर में भक्ति श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। दिन-रात भक्तों की भीड़ लगी रहती है।

पूनिया ने मंदिर के किए दर्शन : -डॉ. सतीश पूनियां ने मीरा बाई व भगवान श्रीचारभुजा नाथ मंदिर के दर्शन किए। उसके बाद मीरा जयंती महोत्सव का कार्यक्रम में शिरकत की। डॉ. सतीश पूनियां ने अपने उद्बोधन में कहा कि भक्ति की इस नगरी मीरा नगरी में आकर मैं अपने आपको धन्य महसूस कर रहा



महोत्सव के दौरान कार्यक्रम को डॉ. सतीश पूनियां ने संबोधित किया।

पूर्व प्रदेश मंत्री लक्ष्मीनारायण मुंडेल, एडवोकेट रामकिशोर तिवाड़ी आदि मौजूद रहे।

मीरा बाई व ठाकुरजी की रजत रेवाड़ी के समक्ष खड़ी सप्ताह में दिन में महिलाएं और रात्रि में पुरुष मंडलियों द्वारा भजन कीर्तन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार देर रात्रि को भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें भक्ति निशा अनुष्ठा और अनुष्ठा भटनगर एण्ड पाटी रतलाम म. प्र. और सौरव शर्मा, जयपुर द्वारा संगीतमय भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की स्थानीय प्रसिद्ध कलाकार ललित लहरिया द्वारा गणेश जी वंदना का भजन गायन करके भजन संध्या का शुभारंभ किया गया।

समारोह में हरियाणा भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू, मेड़ता नगर पालिका अध्यक्ष शोभा लाहोटी आदि अतिथियों द्वारा मां मीरा बाई के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान किन्नर समाज गादीपति राजकुमारी बाई, पालिका ईओ श्रवण राम चौधरी, गयाना राम रिणवा, किशनसिंह चंपावत आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पालिका ई ओ श्रवण राम चौधरी का

विशेष सम्मान किया गया।

मीडिया प्रभारी सुनील पुरी ने बताया कि 5 अगस्त एकादशी ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें ध्वजा यजमान केदारमल खण्डेलवाल रहे। बैंड बाजे के साथ सपरिवार मंदिर पहुंचे जहां मीरा जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत, सचिव रवि प्रकाश कमेडिया, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र बिड़ला सहित पदाधिकारियों ने मंदिर के बाहर माला पहनाकर अभिनंदन किया। उसके बाद ध्वजा पूजन एकादशी पंडित लक्ष्मीनारायण व्यास, पंडित मनीष व्यास के वैदिक मंत्रोच्चार के द्वारा ध्वजा फहराई गई।

अखंड हरिकीर्तन के दौरान समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र गहलोत का नागरिकों ने माला और साफा पहनाकर किया सम्मान। इस दौरान माली समाज के अध्यक्ष जम्बार सिंह भाटी, मांगीलाल चौहान, पुखराज गहलोत, फ़क्रौर चंद शर्मा, गोरधनराम माली, चम्पालाल पवार, माली समाज के अध्यक्ष जम्बार सिंह भाटी, मांगीलाल चौहान, पुखराज गहलोत, फ़क्रौर चंद शर्मा, गोरधनराम माली, चम्पालाल पंवार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पावटा उपडाकघर में सर्वर ठप, राखी भेजने सहित अन्य काम दूसरे दिन भी बाधित

उपभोक्ताओं को संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा, ‘स्लो सर्विस’ ने बहनों की चिंता बढ़ाई

■ निजी कोरियर कंपनियों की ओर भाग रहे लोग, महंगी दरों से परेशान

बुकिंग जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं पूरी तरह से बाधित हो गई हैं। इससे राखी भेजने वाले हजारों उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डाक विभाग की ओर से अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि वे राखी और उपहार समय पर भेजने के लिए अब महंगे निजी कोरियर का सहारा ले रहे हैं। स्थानीय निवासी ने बताया, राखी भेजने आया था, लेकिन यहां कहा गया कि सर्वर नहीं चल रहा। कोई स्पष्ट जवाब भी नहीं मिल रहा। वहीं एक बहन ने कहा, अगर राखी समय पर नहीं पहुंची

तो भाई की कलाई सूनी रह जाएगी। रक्षाबंधन का पर्व बहन-भाई के प्रेम का प्रतीक है, लेकिन सरकारी अव्यवस्थाओं के कारण इस प्रेम में तकनीकी बाधा बन रही है। आमजन डाक विभाग से त्वरित समाधान की मांग कर रहे हैं। लोगों ने विभागियों अधिकारियों से इस संबंध में संपर्क किया, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। न तो कोई तकनीकी टीम भेजी गई और न ही कोई वैकल्पिक डेस्क शुरू की गई। जहां एक ओर डिजिटल इंडिया की बात होती है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण और कर्कबाई क्षेत्रों में तकनीकी अव्यवस्था त्योहारों की खुशियों पर पानी फेर रही है। डाक विभाग में सॉफ्टवेयर अपडेशन को के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। मंगलवार को भी सुबह से सॉफ्टवेयर के न चलने से पावटा उप डाकघर में काम ना के बराबर रहा। स्पीड पोस्ट,

रजिस्ट्री, नकदी जमा-निकासी व अन्य काम न होने से लोग परेशान रहे। मुख्य डाकघर में आए लोगों की कर्मचारियों से खूब नोकझोंक हुई।

पावटा उपडाकघर पोस्टमास्टर छगन लाल ने बताया कि 4 अगस्त नया सॉफ्टवेयर 2.0 पर काम होना था, लेकिन सॉफ्टवेयर अपडेशन की समस्या के कारण इस तरह की दिक्कत आ रही है, जिससे उपभोक्ताओं को भी परेशान होना पड़ रहा है। मंगलवार को डाकघर खुले तो सॉफ्टवेयर कभी चला तो कभी नहीं चला। बेवस कर्मचारी व्यवस्था जल्द शुरू होने का आश्वासन देते रहे। रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक पर्वों पर यदि सरकारी सेवाएं विश्वसनीय नहीं बनेंगी, तो लोगों का भरोसा डगमगाएगा। डाक विभाग को चाहिए कि त्योहारों से पहले ही टेक्निकल अपग्रेड और ट्रायल पूरे कर लिए जाएं।

पावटा, (निंस्)। चार अगस्त से देशभर में सॉफ्टवेयर 2.0 पर काम होना था। डाक विभाग कई दिनों से अपडेशन काम में लाजा हुआ था। तबवा था कि सभी काम पूरे कर लिए गए हैं। सोमवार से काम सुचारु रूप से होगा। सोमवार को डाकघर खुले तो सॉफ्टवेयर नहीं चला। इससे आए लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन नजदीक है, लेकिन इस पवित्र पर्व से पहले पावटा में पोस्ट ऑफिस की ‘स्लो सर्विस’ ने बहनों की चिंता बढ़ा दी है। डाकघरों में नए सॉफ्टवेयर अपडेशन में तकनीकी खामी के कारण काम नहीं हो रहे, जिससे राखी समय पर भेजना एक चुनौती बन गई है।

मंगलवार को भी डाकघर खुले तो सॉफ्टवेयर नहीं चला। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है, लेकिन पावटा स्थित उप डाकघर में पिछले कई दिनों से सर्वर ठप होने के चलते रजिस्ट्री और पार्सल

मंदिर विवाद : सर्वसमाज ने रेगर समाज पर गंभीर आरोप लगाए

सांगानेर में स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर को लेकर सर्वसमाज व रेगर समाज के बीच विवाद ने तूल पकड़ा

■ रेगर समाज के कुछ व्यक्तियों पर मंदिर पर जबरन कब्जा करने, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया

बताया कि जब मोहल्लेवासियों ने इस पर आपत्ति जताई, तो आरोपी व्यक्तियों ने दंगा-फसाद कराने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि गत 31 जुलाई को सुबह करीब 11 बजे जब वे और अन्य लोग मंदिर में पूजा कर रहे थे, तब कुछ लोग लाठियों लेकर आए और उन्होंने गाली-गलौज की। उन्होंने मंदिर पर रेगर समाज का नाम लिखने की कोशिश की, जिसका विरोध करने पर मारपीट भी हुई। अर्चना करने से रोक रहे हैं और

यह सर्वसमाज के लोगों ने आरोप लगाया है कि इस घटना के बाद उन्होंने सुभाषनगर थाने में एक रिपोर्ट दी थी, लेकिन आरोपियों ने बल्ले की भावना से स्वर्ण जाति के लोगों को निशाना बनाकर एक झुटा एससी/एसटी मुकदमा दर्ज करा दिया। शिकायत में कहा गया है कि इस झुठे मुकदमे से पूरे हिंदू समाज में भारी रोष है। सर्वसमाज ने थाने से मांग की है कि रेगर समाज द्वारा दर्ज कराए गए इस मुकदमे की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। इस मामले को लेकर सर्वसमाज के कई लोगों ने हस्ताक्षर कर एक ज्ञापन भी सौंपा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और दोनों पक्षों की बात सुनकर एक निष्पक्ष जांच करें, ताकि कॉलोनी का सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे और किसी भी निर्दोष व्यक्ति को गलत तरीके से फंसाया न जा सके।

संक्षिप्त

‘आत्मा शुद्धि से ही भगवान के दिव्य दर्शन संभव’

राजगढ़। कथावाचक एवं महंत अमन भारती महाराज ने कहा कि मन एवं आत्मा शुद्धि से ही भगवान के दिव्य दर्शन संभव है। मंगलवार को कृष्ण गोपी संवाद की कथा में भारी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुषों को भीड़ उमड़ी। महाराज राजगढ़ के नवीन बस स्टैंड पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा मैं श्री कृष्ण गोपी संवाद, विरह एवं रुक्मणी विवाह की लीला में उपस्थित महिला पुरुषों को प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने गोपिकाओं का कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम एवं मथुरा जाने के बाद विरह वेदना का भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण कर उपस्थित महिला पुरुषों को प्रेम एवं एकता का संदेश दिया। भारती महाराज ने “थाली भरकर लाई रे खिचड़ी, ऊपर घी की बातकी, जीमो म्हार श्याम धनी, जिमावे बेटी जात की ।” की भावपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित पंडाल को तालियां बजाने को मजबूर कर दिया। इस अवसर पर कथा वाचक अमन भारती महाराज का प्रमुख महिला पुरुषों की ओर से भव्य अभिनंदन किया गया। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि भक्ति एवं प्रेम के मध्य मोह माया का जो जाल है उससे छुटकारा पाना पड़ेगा। भारती महाराज ने कहा कि भगवान का भजन नहीं करने का मन हो तब भी भजन करना चाहिए।

प्रतिमा के क्षतिग्रस्त मामले में सौपा ज्ञापन

टोंका। निवाई उपखण्ड के गांव सिंदरा में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने के विरोध में स्थानीय युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस संवेदनशील मामले में अब तक किसी भी दोषी की गिरफ्तारी नहीं होना प्रशासन की निष्क्रियता को दर्शाता है। एए प्रतिनिधिपंडल ने इस घटना को सामाजिक सौहार्द के लिए गंभीर चुनौती बताया है, जिस पर उन्होंने शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की है।

टोंका। आंगनबाड़ी बहनों के सम्मान समारोह का राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को आयोजित किया गया। इस दौरान राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से जिला मुख्यालय के कृषि ऑडिटोरियम में प्रसारण किया गया।

■ उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान किया

इस अवसर पर विधायक राजेंद्र गुर्जर ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सुरक्षा को लेकर संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश एवं समाज की उन्नति के लिए महिलाओं का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों को सुपोषित एवं शिक्षित करने के पहले केंद्र है। इसलिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इस मौके पर निवाई-

अधिकारियों की बैठक आयोजित

अलवर। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक श्री पी.सी. मीणा ने की अध्यक्षता में आज सहायक कृषि विस्तार अलवर के कार्यालय में कृषि पर्यवेक्षक एवं सहायक कृषि अधिकारियों की मासिक कलस्टर बैठक आयोजित हुई जिसमें कृषक हित में संचालित विभिन्न योजनाओं फार्म पौध, तारबंदी, पाइप लाइन, कृषि यंत्र इत्यादि योजनाओं की कृषि पर्यवेक्षवार प्रगति की समीक्षा कर अधिक से अधिक पात्र किसानों को इन योजनाओं से लाभान्वित कराने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने हरियालो राजस्थान अभियान की प्रगति की समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधारोपण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने समस्त फील्ड स्टाफ को निर्देशित किया कि विभागीय लक्ष्यों की प्राप्तिनिर्धारित की जावे। उन्होंने सहायक निदेशक कृषि को निर्देशित किया कि बैठक में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करें। बैठक में लक्ष्मणगढ़, गोविन्दगढ़ एवं रामगढ़ ब्लॉक के कृषि पर्यवेक्षक एवं सहायक कृषि अधिकारी मौजूद रहे।



राज्य स्तरीय कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से टोंक के कृषि ऑडिटोरियम में प्रसारण किया गया।

पीप्लू विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि विकसित समाज के लिए यह आवश्यक है कि महिलाओं को समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी बहनों के प्रति सम्मान भाव रखते हुए बहनों के सुरक्षा, सम्मान के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस बार उन्होंने रक्षा बंधन के पर्व पर रोडवेज बसों में 2

दिन निःशुल्क यात्रा की सौगात दी है, सरकार महिलाओं के लिए हर क्षेत्र में सेवा, सुरक्षा और सशक्तिकरण की भावना के साथ कार्य कर रही है। जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। पिछले 18 माह में राज्य सरकार ने महिलाओं के कल्याण को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएं धरातल

पर उतारी है। बालिका शिक्षा, पोषण सरकार की प्राथमिकता में है। जिला कलेक्टर ने कहा कि रक्षा बंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिले में कार्यरत 2 हजार 951 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार की ओर से 501 रुपये (कुल 14 लाख 78 हजार 451) रुपये की राशि खातों में डीबीटी तथा सभी को छाता एवं मिठाई

राखी के उपहार स्वरूप प्रदान की है। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक सरोज मीणा, महिला अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक मेरिगटन सोनी, एसीईओ ललित कुमार समेत, ओमप्रकाश गुप्ता, निलिमा आमरा, अंजली गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रही।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान- अतिथियों ने विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा लाडो प्रोत्साहन योजना में बालिकाओं को लाडो बधाई संदेश एवं बेबी किट का वितरण किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विधायक राजेंद्र गुर्जर, रामसहाय वर्मा, जिला प्रमुख सरोज बंसल को रक्षा सूत्र भी बांधे। सभी ने पोषण शपथ ली। मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापक विमल कुमार जैन ने किया।

‘सांभर के आर्य समाज के गुरुकुल में वैदिक शिक्षा मिलेगी’

सांभरझील, (निसं)। यहां आर्य समाज भवन में आयोजित गुरुकुल संस्थान के तत्वावधान गुरुकुल व स्वामी सोमानंद सरस्वती के सात्रिध्य में यज्ञ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के

■ गुरुकुल में ब्रह्मचारियों को आधुनिक शिक्षा के साथ साथ वैदिक शिक्षा, अस्त्र शस्त्र संचालन व योग व्यायाम प्राणायाम का अभ्यास भी करवाया जाएगा

प्रारंभ में ब्रह्मचारियों का उपनयन संस्कार व वेदारम्भ संस्कार यज्ञ ब्रह्मा स्वामी सोमानंद सरस्वती के कर कमलों व वेद मंत्रों के उच्चारण से गुरुकुल के मुख्य प्रबंधक आचार्य सत्यम आर्य व उप मुख्य प्रबंधक



सांभरझील आर्य समाज भवन में आयोजित गुरुकुल संस्थान के तत्वावधान गुरुकुल व स्वामी सोमानंद सरस्वती के सात्रिध्य में यज्ञ सम्पन्न हुआ।

आचार्य अभिलाषा आर्य के द्वारा करवाया गया। बताया गया कि गुरुकुल में ब्रह्मचारियों को आधुनिक शिक्षा के साथ साथ वैदिक शिक्षा, अस्त्र शस्त्र संचालन व योग व्यायाम प्राणायाम का अभ्यास भी करवाया

जाएगा। गुरुकुल पद्धति से शिक्षार्थी का बहुमुखी विकास संभव हो सकेगा। सुशील कुमावत द्वारा गुरुकुल के लिए कंप्यूटर सेट वेट किया गया। धौलपुर जिले के ब्रह्मचारी नितेश एवं यश ने दीक्षा ठाहण की।अंत में शांति

पाठ से कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर ओमप्रकाश दायमा, पार्षद अनिल गट्टानी, मंत्री डॉ ज्ञान प्रकाश दायमा, आर्य समाज अध्यक्ष अशोक कयाल सहित अनेक की मौजूदगी रही।

सार-समाचार

‘विकास कार्य विश्वविद्यालय की उन्नित में मील का पत्थर’

पावटा। श्री कर्ण नरेंद्र विश्वविद्यालय जोबनेर के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय कोटपुतली का हर्षोल्लास से छठा स्थापना दिवस और वार्षिकोत्सव- 2025 कोटपुतली विधायक प्रतिनिधि राधा पटेल के मुख्य आतिथ्य व मिथिलेश पटेल, प्रिंसिपल डॉ.बीनू शेखावत, बीएड कॉलेज लक्ष्मणगढ़ नथमल टोड़ी के विशिष्ट आतिथ्य एवं कॉलेज डीन डॉ. सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कृषि महाविद्यालय कोटपुतली के सभागार में मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण और वंदना के साथ की गई। कॉलेज डीन डॉ. सुरेंद्र सिंह ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया व प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं कॉलेज में चल रहे विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। वही कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कोटपुतली विधायक प्रतिनिधि राधा पटेल ने कॉलेज में चल रहे विकास कार्यों की प्रशंसा की तथा कॉलेज के विकास में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मिथिलेश पटेल ने कॉलेज के कार्यों व विकास को विश्वविद्यालय की उन्नित में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कॉलेज को विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त जीरो एनर्जी व ग्रीन कैपस बनाने को कहा। कृषि महाविद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आईओटी मशीन लर्निंग पर आधारित कोर्स शुरू करने को कहा। डॉ. शेखावत ने छात्र-छात्राओं को अनुशासन वह जीवन में संस्कार अपनाने का संकल्प लेने को कहा। वही राज्यपाल द्वारा विमोचन किए गए सनातन कैलेंडर के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान कालेज के छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने वाले छात्र-छात्राओं को व खेलकूद, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कॉलेज के सहायक छात्र कल्याण अग्निष्ठाता ने अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन कॉलेज की छात्रा हेमलता पचार, कृष्णा यादव ने किया। कार्यक्रम संचालन का संयोजन डॉ. सुशीला ऐचरा ने किया। इस अवसर पर अतिथियों ने वृक्षारोपण किया। इस मौके पर डॉ. पार्वती दीवान, डॉ. विष्णु मीणा, डॉ. नरेश मीणा, डॉ. प्रवीण पिलानिया, डॉ. प्रवीण हटवाल, डॉ. ओमेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार, दीपक सैनी, कुंदन मीणा, अंकित, अजय, चेतना, सुमन, सचिन कुमार, सरजीत, सुनील, रविंद्र, भूपेंद्र, ओमप्रकाश मौजूद रहे।

आयुक्त को सौपा ज्ञापन

कोटपूतली। कस्बे के मोहल्ला बड़ाबास स्थित सुनारेहडा में महंत बुद्धादास साहेब मंदिर परिसर में कमरे व हॉल निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को पार्षद उमेश आर्य के नेतृत्व में वार्डवासियों ने नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट को ज्ञापन सौपा। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंदिर परिसर एक प्राचीन और पवित्र स्थल है। जहां दूर-दराज से श्रद्धालु आते हैं और राजि में विश्राम करते हैं। मंदिर परिसर में हाल का निर्माण होने से यात्रियों को ठहरने की सुविधा मिल सकेगी। महंत देवकीनंदन दास और सेवादार लाली बाई भी यहां रहकर श्रद्धालुओं की सेवा करते हैं। इस परिसर में कमरे और हॉल बना हुआ है, लेकिन बरसात के कारण इसकी दीवारें ढह गई हैं और अब केवल जर्जर स्थिति में खड़ा हॉल शेष बचा है। पार्षद व स्थानीय लोगों ने हाल का निर्माण शीघ्र करने की मांग की है। पार्षद उमेश आर्य ने नगरपरिषद आयुक्त को ज्ञापन देकर उक्त मंदिर परिसर में कम से कम दो कमरे और एक हॉल का निर्माण करवाने की मांग की।

अंतिम तिथि 25 अगस्त

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में स्थापित वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्राचार्य प्रो.आर.के.सिंह ने बताया कि वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा महिलाओं को स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स हेतु निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। समबन्धक प्रो. अशोक सिंह ने बताया कि प्रवेश की अंतिम तिथि 25 अगस्त है। इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश से सम्बन्धित जानकारी हेतु राजकीय महाविद्यालय कोटपूतली (केन्द्र संख्या 3013) में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा की हैल्प डेस्क पर सम्पर्क कर सकते हैं।

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन)

Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com

फोन नं. 01586-220022
 01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2025-26 /2490

दिनांक :- 04.08.2025

-: ई-ऑक्शन के माध्यम से आवासीय भूखण्डों की आम निलामी की सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय नगरपरिषद, कुचामन सिटी द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से पदमपुरा कनैक्टिंग रोड़ पर खसरा नं. 2782/2372 में स्थित नगरपरिषद् द्वारा विकसित की गई आवासीय कॉलोनी में 10 भूखण्डों की ई-ऑक्शन के जरिए निलामी प्रक्रिया की जानी है। ई-ऑक्शन में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदकों द्वारा दिनांक 06.08.2025 प्रातः 9.00 AM से 13.08.2025 को सांय 5.00 बजे तक नियमानुसार शुल्क एवं धरोहर राशि ऑनलाईन जमा करवाई जाकर निलामी में भाग लिया जा सकता है। ई-ऑक्शन से सम्बन्धित नियम/शर्तें एवं अन्य जानकारी E-Auction Portal <https://lsgeauction.rajasthan.gov.in/>, SSO ID के माध्यम से) पर देखी जा सकती है।

नगरपरिषद् कुचामन सिटी में सम्पर्क सूत्र श्री ललित कुमार (मो.नं. 8561924473), सहायक अभियन्ता एवं श्री कनवरलाल (मो.नं. 9460929938) वरिष्ठ सहायक रहेंगे।

भूखण्डों का विवरण							
क्र. सं.	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड माप	भूखण्ड क्षेत्रफल			निलामी में भाग लेने हेतु भूखण्ड के लिए जमा योग्य अमानत राशि	निलामी आरम्भ सुरक्षित दर (प्रति वर्ग फीट)
			वर्ग फीट	वर्ग गज	वर्ग मीटर		
1	2	3	4	5	7	6	8
1.	10	25' x 50'	1250.00	138.89	116.11	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
2.	11	25' x 50'	1250.00	138.89	116.11	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
3.	12	25' x 50'	1250.00	138.89	116.11	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
4.	13	25' x 50'	1250.00	138.89	116.11	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
5.	14	25' x 50'	1250.00	138.89	116.11	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
6.	15	25' x 50'	1250.00	138.89	116.11	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
7.	16	30' x 50'	1500.00	166.67	139.33	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
8.	43 & Part of 42	(41'7" + 52'3")/2 x 50'	2351.06	261.23	218.39	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
9.	44	(40'10" + 51'7")/2 x 50'	2309.53	256.61	214.53	500/- + 50000/-	Rs. 800/-
10.	45 & Part of 46	26'9" x 50'	1335.00	148.33	124.01	500/- + 50000/-	Rs. 800/-

निलामी में भाग लेने के लिए निम्न शर्तों जो निम्नानुसार है :-

1. नगरपरिषद् कुचामन सिटी को निलामी में प्राप्त बोलियों स्वीकार/अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार रहेगा।

2. नगरपरिषद् कुचामन सिटी को निलामी मे पर्याप्त राशि प्राप्त नहीं होने की स्थिति में बोली की अंतिम तिथि बढ़ाने या निलामी अस्वीकार करने का सम्पूर्ण अधिकार होगा।

3. निलामी बोली स्वीकार नहीं होने पर धरोहर राशि LSG-E Auction पोर्टल से बोलीदाता के खाते में निलामी की समस्त प्रक्रिया समाप्त होने के बाद स्वतः जमा हो जायेगी।

4. निलामी बोली स्वीकार होने के पश्चात् बोलीदाता निलामी तिथि से 15 दिवस के अन्दर सम्पूर्ण निलामी राशि जमा करवाने पर 01 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी।

5. निलामी में अर्जित भूखण्ड पर नियमानुसार लीज राशि 2.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष देय होगी एवं प्रत्येक 15 वर्षों में 2.5 प्रतिशत लीज मूल्य पर जो राशि संशोधित होगी व सकल की जावेगी।

6. निलामी में अर्जित भूखण्ड की रजिस्ट्री क्रेता द्वारा स्वयं के व्यय से की जानी होगी।

7. भूखण्ड पर नगर पालिका अधिनियम 2009 नगरीय भूमि निष्पादन नियम 1974 एवं संशोधित नियम 2019 एवं राज्य सरकार द्वारा जारी आदेशों/निर्देशों परिपत्र स्वतः ही लागू होंगे।

8. निलामी में अर्जित भूखण्ड पर 2 वर्ष के भीतर निर्माण किया जाना अनिवार्य होगा अन्यथा शास्ति आरोपित की जावेगी तथा निर्माण हेतु एकीकृत भवन विनियम 2025 लागू होंगे।

9. भूखण्ड के भू-उपयोग में किसी भी प्रकार का परिवर्तन एवं उपयोग नगरपरिषद् कुचामन सिटी की बिना अनुमति नहीं किया जायेगा।

10. निलामी स्वीकार होने की स्थिति में बोलीदाता द्वारा निलामी तिथि से निम्नानुसार निलामी की राशि जमा करवानी होगी।

अवधि निलामी राशि प्रतिशत – (1) 3 दिवस में **15%** (2) 120 दिवस **35%** (3) 180 दिवस में **50%**

यदि बोलीदाता प्रथम किश्त जमा कराने में असफल रहता है तो निविदा तुरन्त निरस्त मानी जावेगी, 120 दिवस पश्चात् 35 प्रतिशत राशि जमा करवाने में विफल रहता है तो उपरोक्त अवधि समाप्ति के बाद निलामी तारीख से शेष राशि पर 15 प्रतिशत की दर से ब्याज सहित एवं यदि बोलीदाता 180 दिवस पश्चात् 50 प्रतिशत राशि जमा करवाने में विफल रहता है तो उपरोक्त अवधि समाप्ति के बाद निलामी तारीख से शेष राशि पर 15 प्रतिशत की दर से ब्याज सहित अगले 90 दिनों तक देय राशि जमा करवा सकता है इसके पश्चात् भी यदि राशि जमा कराने मे असफल रहने की स्थिति में बोली निरस्त मानी जावेगी।

11. ई-ऑक्शन से सम्बधित किसी भी तरह के वाद-विवाद के लिय न्यायालय क्षेत्र कुचामन सिटी रहेगा।

12. निलामी में भाग लेने के लिये बोलीदाता वेबसाईट LSG-E Auction PORTAL & Kuchaman City E-Auction पर जाकर Log in ऑप्शन पर क्लिक करके स्वयं की SSO ID बना लेंवें। आवेदक द्वारा पूर्व में SSO ID प्रयोग में ली जा रही है वे SSO ID के माध्यम से Log ID कर LSG-E Auction पोर्टल पर क्लिक करके बोली में भाग ले सकते है, वेबसाईट पर रजिस्टर करने सम्बन्धी असुविधा एवं इस सम्बन्ध में आ रही किसी भी प्रकार की समस्या के लिए हेल्पडेस्क नम्बर 9460929938 पर सम्पर्क करें।

(आसिफ खान)

समापति

नगरपरिषद् कुचामन सिटी

(देवीलाल बीचल्या)

आयुक्त

नगरपरिषद् कुचामन सिटी

